विद्या भारती संकुल संवाद

सा विद्या या विमुक्तये

जनवरी 2024 पौष- माघ। विक्रमी सं. 2080

रामलला प्राण प्रतिष्ठा समारोह के निमित्त सरसंघचालक जी का लेख

संकल्प दृष्टि -2024

वैचारिक लेख

रामलला प्राण प्रतिष्ठा समारोह के निमित्त सरसंघचालक जी का लेख

हमारे भारत का इतिहास पिछले लगभग डेढ़ हजार वर्षों से आक्रांताओं से निरंतर संघर्ष का इतिहास है। आरंभिक आक्रमणों का उद्देश्य लूटपाट करना और कभी-कभी (सिकंदर जैसे आक्रमण) अपना राज्य स्थापित करने के लिए होता था। परंतु इस्लाम के नाम पर पश्चिम से हुए आक्रमण यह समाज का पूर्ण विनाश और अलगाव ही लेकर आए। देश-समाज को हतोत्साहित करने के लिए उनके धार्मिक स्थलों को नष्ट करना अनिवार्य था, इसलिए विदेशी आक्रमणकारियों ने भारत में मंदिरों को भी नष्ट कर दिया। ऐसा उन्होंने एक बार नहीं, बल्कि अनेकों बार किया। उनका उद्देश्य भारतीय समाज को हतोत्साहित करना था ताकि भारतीय स्थायी रूप से कमजोर हो जाएँ और वे उन पर अबाधित शासन कर सकें।

अयोध्या में श्रीराम मंदिर का विध्वंस भी इसी मनोभाव से, इसी उद्देश्य से किया गया था। आक्रमणकारियों की यह नीति केवल अयोध्या या किसी एक मंदिर तक ही सीमित नहीं थी, बल्कि संपूर्ण विश्व के लिए थी।

भारतीय शासकों ने कभी किसी पर आक्रमण नहीं किया, परन्तु विश्व के शासकों ने अपने राज्य के विस्तार के लिए आक्रामक होकर ऐसे कुकृत्य किये हैं। परंतु इसका भारत पर उनकी अपेक्षानुसार वैसा परिणाम नहीं हुआ, जिसकी आशा वे लगा बैठे थे। इसके विपरीत भारत में समाज की आस्था निष्ठा और मनोबल कभी कम नहीं हुआ, समाज झुका नहीं, उनका प्रतिरोध का जो संघर्ष था वह चलता रहा। इस कारण जन्मस्थान बार-बार पर अपने आधिपत्य में कर, वहां मंदिर बनाने का निरंतर प्रयास किया गया। उसके लिए अनेक युद्ध, संघर्ष और बलिदान हुए। और राम जन्मभूमि का मुद्दा हिंदुओं के मन में बना रहा।

1857 में विदेशी अर्थात ब्रिटिश शक्ति के विरुद्ध युद्ध योजनाएं बनाई जाने लगी तो उसमें हिंदू और मुसलमानों ने मिलकर उनके विरुद्ध लड़ने की तैयारी दर्शाई और तब उनमें आपसी विचार-विनिमय हुआ। और उस समय गौ–हत्या बंदी और श्रीरामजन्मभूमि मुक्ति के मुद्दे पर सुलह हो जाएगी, ऐसी स्थिति निर्माण हुई। बहादुर शाह जफर ने अपने घोषणापत्र में गौहत्या पर प्रतिबंध भी शामिल किया। इसलिए सभी समाज एक साथ मिलकर लड़े। उस युद्ध में भारतीयों ने वीरता दिखाई लेकिन दुर्भाग्य से यह युद्ध विफल रहा, और भारत को स्वतंत्रता नहीं मिली, ब्रिटिश शासन अबाधित रहा, परन्तु राम मंदिर के लिए संघर्ष नहीं रुका।

अंग्रेज़ों की हिंदू मुसलमानों में "फूट डालो और राज करो" की नीति के अनुसार, जो पहले से चली आ रही थी और इस देश की प्रकृति के अनुसार अधिक से अधिक सख्त होती गई। एकता को तोड़ने के लिए अंग्रेजों ने संघर्ष के नायकों को अयोध्या में फाँसी दे दी और राम जन्मभूमि की मुक्ति का प्रश्न वहीं का वहीं रह गया। राम मंदिर के लिए संघर्ष जारी रहा।

1947 में देश को स्वतन्त्रता प्राप्ति के बाद जब सर्वसम्मति से सोमनाथ मंदिर का जीर्णोद्धार किया गया, तभी ऐसे मंदिरों की चर्चा शुरू हुई। राम जन्मभूमि की मुक्ति के संबंध में ऐसी सभी सर्वसम्मति पर विचार किया जा सकता था, परंतु राजनीति की दिशा बदल गयी। भेदभाव और तुष्टीकरण जैसे स्वार्थी राजनीति के रूप प्रचलित होने लगे और इसलिए प्रश्न ऐसे ही बना रहा। सरकारों ने इस मुद्दे पर हिंदू समाज की इच्छा और मन की बात पर विचार ही नहीं किया।

इसके विपरीत, उन्होंने समाज द्वारा की गई पहल को उध्वस्त करने का प्रयास किया। स्वतन्त्रता पूर्व से ही इससे संबंधित चली आ रही कानूनी लड़ाई निरंतर चलती रही। राम जन्मभूमि की मुक्ति के लिए जन आंदोलन 1980 के दशक में शुरू हुआ और तीस वर्षों तक जारी रहा।

वर्ष 1949 में राम जन्मभूमि पर भगवान श्रीरामचन्द्र की मूर्ति का प्राकट्य हुआ। 1986 में अदालत के आदेश से मंदिर का ताला खोल दिया गया। आगामी काल में अनेक अभियानों एवं कारसेवा के माध्यम से हिन्दू समाज का सतत संघर्ष जारी रहा। 2010 में इलाहाबाद हाईकोर्ट का फैसला स्पष्ट रूप से समाज के सामने आया। जल्द से जल्द अंतिम निर्णय के माध्यम से इस मुद्दे को हल करने के लिए आगे भी आग्रह जारी रखना पड़ा। 9 नवंबर 2019 में 134 वर्षों के कानूनी संघर्ष के बाद सुप्रीम कोर्ट ने सत्य और तथ्यों को परखने के बाद संतुलित निर्णय दिया। दोनों पक्षों की भावनाओं और तथ्यों पर भी विचार इस निर्णय में किया गया था। कोर्ट में सभी पक्षों के तर्क सुनने के बाद यह निर्णय सुनाया गया है। इस निर्णय के अनुसार मंदिर के निर्माण के लिए एक न्यासी मंडल की स्थापना की गई। मंदिर का भूमिपूजन 5 अगस्त 2020 को हुआ और अब पौष शुक्ल द्वादशी युगाब्द 5125, तदनुसार 22 जनवरी 2024 को श्रीरामलला की मूर्ति स्थापना और प्राण प्रतिष्ठा समारोह का आयोजन किया गया है।

धार्मिक दृष्टि से श्रीराम बहुसंख्यक समाज के आराध्य देव हैं और श्रीरामचन्द्र का जीवन आज भी संपूर्ण समाज द्वारा स्वीकृत आचरण का आदर्श है। इसलिए अब अकारण विवाद को लेकर जो पक्ष-विपक्ष खड़ा हुआ है, उसे ख़त्म कर देना चाहिए। इस बीच में उत्पन्न हुई कड़वाहट भी समाप्त होनी चाहिए। समाज के प्रबुद्ध लोगों को यह अवश्य देखना चाहिए कि विवाद पूर्णतः समाप्त हो जाये। अयोध्या का अर्थ है 'जहाँ युद्ध न हो', 'संघर्ष से मुक्त स्थान' वह नगर ऐसा है। संपूर्ण देश में इस निमित्त मन में अयोध्या का पुनर्निर्माण आज की आवश्यकता है और हम सभी का कर्तव्य भी है।

अयोध्या में श्रीराम मंदिर के निर्माण का अवसर अर्थात राष्ट्रीय गौरव के पुनर्जागरण का प्रतीक है। यह आधुनिक भारतीय समाज द्वारा भारत के आचरण के मर्यादा की जीवनदृष्टि की स्वीकृति है। मंदिर में श्रीराम की पूजा 'पत्रं पुष्पं फलं तोयं' की पद्धति से और साथ ही राम के दर्शन को मन मंदिर में स्थापित कर उसके प्रकाश में आदर्श आचरण अपनाकर भगवान श्रीराम की पूजा करनी है क्योंकि "शिवो भूत्वा शिवं भजेत् रामो भूत्वा रामं भजेत्" को ही सच्ची पूजा कहा गया है।

इस दृष्टि से विचार करें तो भारतीय संस्कृति के सामाजिक स्वरूप के अनुसार

मातृवत् परदारेषु, परद्रव्येषु लोष्ठवत्।
आत्मवत् सर्वभूतेषु, यः पश्यति सः पंडितः।

इस तरह हमें भी श्रीराम के मार्ग पर चलने होगा।

जीवन में सत्यनिष्ठा, बल और पराक्रम के साथ क्षमा, विनयशीलता और नम्रता, सबके साथ व्यवहार में नम्रता, हृदय की सौम्यता और कर्तव्य पालन में स्वयं के प्रति कठोरता इत्यादि, श्रीराम के गुणों का अनुकरण हर किसी को अपने जीवन में और अपने परिवार में सभी के जीवन में लाने का प्रयत्न ईमानदारी, लगन और मेहनत से करना होगा।

साथ ही, अपने राष्ट्रीय जीवन को देखते हुए सामाजिक जीवन में भी अनुशासन बनाना होगा। हम जानते हैं कि श्रीराम-लक्ष्मण ने उसी अनुशासन के बल पर अपना 14 वर्ष का वनवास और शक्तिशाली रावण के साथ सफल संघर्ष पूरा किया था। श्रीराम के चरित्र में प्रतिबिंबित न्याय और करुणा, सद्भाव, निष्पक्षता, सामाजिक गुण, एक बार फिर समाज में व्याप्त करना, शोषण रहित समान न्याय पर आधारित, शक्ति के साथ-साथ करुणा से संपन्न एक पुरुषार्थी समाज का निर्माण करना, यही श्रीराम की पूजा होगी।

अहंकार, स्वार्थ और भेदभाव के कारण यह विश्व विनाश के उन्माद में है और अपने ऊपर अनंत विपत्तियाँ ला रहा है। सद्भाव, एकता, प्रगति और शांति का मार्ग दिखाने वाले जगदाभिराम भारतवर्ष के पुनर्निर्माण का सर्व-कल्याणकारी और 'सर्वेषाम् अविरोधी' अभियान का प्रारंभ, श्रीरामलला के राम जन्मभूमि में प्रवेश और उनकी प्राण-प्रतिष्ठा से होने वाला है। हम उस अभियान के सक्रिय कार्यान्वयनकर्ता हैं। हम सभी ने 22 जनवरी के भक्तिमय उत्सव में मंदिर के पुनर्निर्माण के साथ-साथ भारत और इससे पूरे विश्व के पुनर्निर्माण को पूर्तता में लाने का संकल्प लिया है। इस भावना को अंतर्मन में स्थापित करते हुए अग्रसर हो ...

जय सिया राम।

✍️ **डॉ. मोहन भागवत**
(सरसंघचालक, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ)
(मूल मराठी से अनुवाद)

इसरो अध्यक्ष डॉ. श्रीधर सोमनाथ गुवाहाटी में सम्मानित

कलात्मक रूप से सुंदर संगीत है विज्ञानः डॉ. सोमनाथ

गुवाहाटी। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के चेयरमैन डॉ. श्रीधर पणिक्कर सोमनाथ ने कहा कि आज दुनिया बड़े तकनीकी बदलाव के दौर से गुजर रही है। अब आपका कंप्यूटर सिस्टम आपको आपके दोस्तों से बेहतर जानता है। विज्ञान वास्तव में बहुत ही कलात्मक रूप से सुंदर संगीत है। श्रीमंत शंकरदेव कला क्षेत्र में विद्या भारती के प्रागज्योतिषपुर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में इसरो चेयरमैन ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के प्रभाव को बताते हुए कहा कि जिस फोन का हम उपयोग कर रहे हैं वह धीरे-धीरे हमारे बारे में सीख रहा है। मशीन जानती है कि आप कौन हैं और आपको क्या पसंद है। यह भाषा सहित कई चीजों पर शासन करना शुरू कर देता है। इस नवीनतम तकनीकी प्रगति ने कई व्यवसायों के लिए भी चुनौती खड़ी कर दी है। इसरो (ISRO) चेयरमैन ने राष्ट्र के अतीत के गौरव को समझने की आवश्यकता पर जोर दिया और कहा कि यदि आपमें कृतज्ञता है तो आपको प्रगति के लिए प्रेरणा की आवश्यकता नहीं है। आपको अपने माता-पिता, शिक्षकों, राष्ट्र और सभी के प्रति आभारी होना चाहिए। एक सवाल के जवाब में कहा कि चंद्रमा के बारे में कई सवालों के जवाब ढूंढने के लिए अभी कई और मिशनों की जरूरत है। इस अवसर पर प्रागज्योतिषपुर विश्वविद्यालय के चांसलर प्रोफेसर प्रदीप कुमार जोशी, कुलपति प्रोफेसर स्मृति कुमार सिन्हा, रजिस्ट्रार प्रोफेसर जोगेश काकाती, आयोजन समिति के अध्यक्ष प्रोफेसर परिमल चंद्र भट्टाचार्य और राज्य सरकार के शिक्षा सलाहकार प्रोफेसर नानी गोपाल महंत आदि उपस्थित रहे।

विज्ञान दर्शन 2024, इसरो (ISRO)

जम्मू-कश्मीर एवं लद्दाख। विद्या भारती की प्रांत इकाई भारतीय शिक्षा समिति जम्मू-कश्मीर एवं लद्दाख के 8 विद्यालयों से 51 बाल वैज्ञानिकों एवं 10 संरक्षक आचार्यों की वैज्ञानिक यात्रा का शुभारंभ जम्मू प्रांत कार्यालय से हुआ। यह यात्रा 30 दिसंबर 2023 से शुरू होकर 9 जनवरी 2024 को संपन्न हुई। श्री प्रदीप कुमार अभिलेखागार एवं CSR प्रमुख ने कहा कि विद्या भारती के 19 पूर्व छात्र वैज्ञानिकों ने मिशन चंद्रयान-3 में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। विद्या भारती जम्मू-कश्मीर एवं लद्दाख भारत सरकार के अंतरिक्ष विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय, प्रधानमंत्री कार्यालय, रेल मंत्रालय और विशेष रूप से इसरो के अध्यक्ष एवं निदेशक का आभार एवं अभिनंदन करती है जिनके प्रयास से यह विज्ञान दर्शन संभव हुआ है। इस अवसर पर श्री वेदभूषण अध्यक्ष भारतीय शिक्षा समिति जम्मू-कश्मीर, प्रांत महामंत्री श्री हरि भूषण, श्री समीर कृष्ण सप्रू प्रांत कार्यालय सचिव श्री विजय कुमार निरीक्षक लद्दाख आदि उपस्थित रहे।

देश का ऐसा विद्यालय जहां सिखाई जा रही 23 भाषाएं

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के स्वप्न एक भारत श्रेष्ठ भारत को साकार करने के उद्देश्य से विद्या भारती संस्थान, जयपुर द्वारा संचालित श्री बलराम उच्च माध्यमिक आदर्श विद्या मन्दिर,बस्सी में "भाषा की कक्षा" नामक एक अनोखी पहल गत दो वर्षों से संचालित की जा रही है। जहाँ पढ़ने वाले विद्यार्थी अब अपने दैनिक जीवन में बोलचाल के वाक्यों का 22 भाषाओं में उपयोग कर रहे हैं। विद्यालय में आयोजित होने वाले विशेष कार्यक्रमों पर अतिथियों का स्वागत अलग-अलग भाषाओं में वहाँ की सांस्कृतिक परंपराओं के अनुरूप करते हैं। पिछले दो वर्षों में इस कक्षा के माध्यम से बालकों के व्यक्तित्व में भी विकास हुआ है। अब वे विभिन्न त्योहारों की बधाई,स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस जैसे राष्ट्रीय पर्वों पर शुभकामनाएं भी देश के अलग-अलग राज्यों में प्रचलित 22 भाषाओं में देते हैं। इस कक्षा के माध्यम से बालकों के सर्वांगीण विकास के लिए काम किया जा रहा है। इस कक्षा के माध्यम से बालकों के लिए करियर के नए रास्ते भी खुल रहे हैं। इस कक्षा का शुभारंभ 12 जनवरी 2022 को हुआ था।

यह देश का पहला ऐसा अनोखा विद्यालय है जिसमें विद्या मंदिर के छात्रों को अलग-अलग भाषाओं का बोध कराने एवं उन राज्यों की संस्कृति से परिचय कराने के लिए भाषा की कक्षा की शुरुआत की गई है। इस कक्षा में बालक-बालिकाएं स्वतः रुचि लेकर अध्ययन करते हैं। इसके तहत बच्चे देश के अलग-अलग भागों में प्रचलित सभी 22 भाषाओं का ज्ञान प्राप्त कर रहे हैं। यह विद्यालय देश में एक भारतीय भाषा केंद्र के रुप में आकार ले रहा है। जहाँ अध्ययनरत विद्यार्थी इन भाषाओं का ज्ञान प्राप्त करके अपने व्यक्तित्व में तो निखार ला ही रहे हैं साथ ही भविष्य की सम्भावनाओं के रास्ते भी खोल रहे हैं और कक्षा के माध्यम से बालकों को वहाँ की संस्कृति से भी परिचित करवाया जा रहा है। विद्या मंदिर के पूर्व छात्र एवं इस भाषा की कक्षा के संयोजक प्रिंस तिवाड़ी ने बताया कि कक्षा 6 से 12वीं तक के विद्यार्थियों के लिए दैनिक जीवन में आम-बोलचाल के वाक्यों को 22 अलग-अलग भाषाओं में 400 से अधिक वाक्यों की बुकलेट तैयार की गई है।

खास बात यह है इसमें हिन्दी, असमिया, बंगाली, बोडो, तमिल, तेलुगु, उर्दू, गुजराती, कन्नड़, कश्मीरी, कोंकणी, मैथिली, मलयाली, मणिपुरी, मराठी, नेपाली, ओडिया, पंजाबी, संस्कृत, संथाली, सिंधी, डोगरी आदि भाषाओं के बारे में छात्रों को बताया जा रहा है।

प्रिंस का कहना है कि अब बच्चों को देश के किसी भी राज्य में जाकर उच्च शिक्षा प्राप्त करने,वहाँ जॉब करने में

भाषा के सबंध में आने वाली कठिनाइयों का सामाधान भी मिलेगा और उनके करियर के लिए भी ओर भी नए रास्ते खुलेंगे। बालक इस कक्षा के माध्यम से भाषा के क्षेत्र में अपना करियर भी बना सकेंगे। आदर्श विद्या मंदिर के प्रधानाचार्य श्री लालचंद शर्मा ने बताया की भाषा की कक्षा के तहत प्रतिदिन किसी एक भाषा से संबंधित बोलचाल के शब्द और संवाद से जुड़ी पंक्तियां विद्यार्थियों को बतायी जाती है, जिसका उपयोग बालक अपने दैनिक जीवन में दिनचर्या में उपयोग करते हैं। इस भाषा की कक्षा की विशेषता यह भी है कि इसमें बच्चे देवनागरी लिपि के माध्यम से ही पढ़कर अन्य भाषाएँ सीख रहे हैं। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत यह शुरुआत की गई है। इस भाषा की कक्षा से जहां विद्यार्थी भारत देश में बोली जाने वाली भाषाओं को सीख रहे है वहां उनमें अन्य राज्यों में रोजगार स्वरोजगार करने में आने वाली भाषाई समस्या से बाहर आते हुए उनके आत्मविश्वास का संवर्धन होते हुए भी दिख रहा है। साथ ही विद्यार्थी इसे सामान्य प्रक्रिया से नही सीख बल्कि आपसी समूह चर्चा, आपसी संवाद और विद्यालय में होने वाले कार्यक्रमों में अपनी पकड़ की भाषा में संवाद और प्रतियोगिता के माध्यम से भी सीख रहे है। पिछले दो वर्षों में विद्यालय से पास होने विद्यार्थियों के साथ जिन विद्यार्थियों ने इसे मन से सीखा आज उनके पास अपनी मातृभाषा के शब्दकोश के अतिरिक्त अलग अलग भाषा का शब्दकोष भी तैयार हो गया है, इससे विद्यार्थियों के आत्मविश्वास का संवर्धन हुआ है।

संस्कृत संभाषण वर्ग

मथुरा। विद्या भारती ब्रज प्रदेश के शैक्षिक एवं अभिलेखागार प्रमुख अशोक कुमार शर्मा ने कहा कि संस्कृत वैज्ञानिक भाषा है। हमारे ऋषियों-मुनियों ने अपनी साधना, स्वाध्याय और अनुसंधान से इसे लोक मंगल की भाषा बनाया है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता और कोडिंग में भी संस्कृत भाषा बहुत सहायक है। चार दिवसीय संस्कृत संभाषण वर्ग के शुभारंभ पर माधव कुंज स्थित कृष्ण चंद्र गांधी सरस्वती शिशु मंदिर में आचार्यों को संबोधित करते हुए अशोक शर्मा जी ने कहा कि संस्कृत विद्या भारती के चार आधारभूत विषयों में से एक है। संस्कृत भाषा देश की आधारशिला भी है।

साध्वी ऋतंभरा ने किया देवपुत्र के "अवधेश विशेषांक" का लोकार्पण

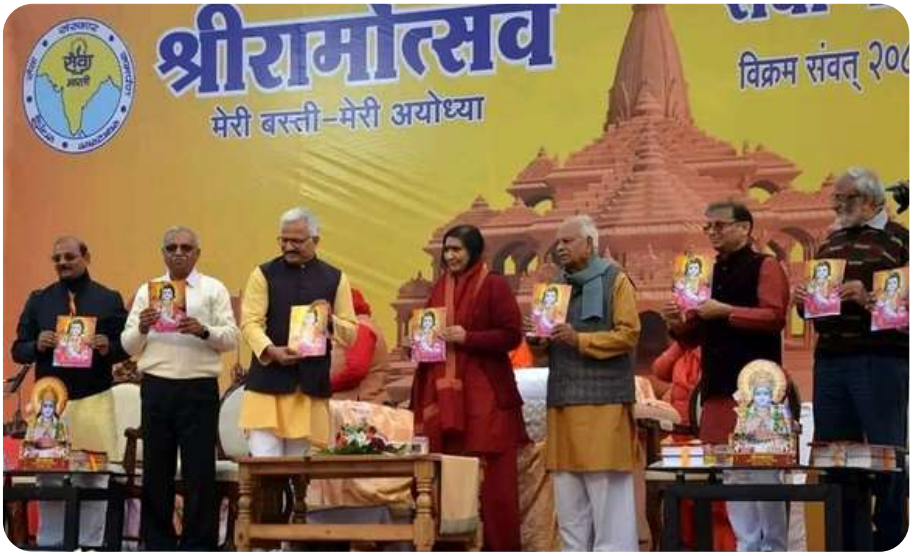

"देवपुत्र का अवधेश विशेषांक देखकर प्रसन्न हो उठीं दीदी मां"

इंदौर। श्रीराम जन्मभूमि आन्दोलन के प्रमुख नेतृत्वकर्ताओं में से एक पूजनीय दीदी मां साध्वी ऋतंभरा ने 8 जनवरी 2024 को सेवा भारती द्वारा चिमनबाग में आयोजित भव्य रामोत्सव में देवपुत्र के "अवधेश विशेषांक" का लोकार्पण किया। देवपुत्र के प्रधान संपादक श्री कृष्ण कुमार अष्ठाना, प्रबंध न्यासी सी ए राकेश भावसार और कार्यकारी संपादक गोपाल माहेश्वरी ने अवधेश विशेषांक की जानकारी दी। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत संघचालक डा. प्रकाश शास्त्री, प्रसिद्ध उद्योगपति श्री प्रकाश सिंघानिया आदि उपस्थित रहे।

देवपुत्र का यह विशेषांक भगवान श्रीराम के पूर्वज चक्रवर्ती अवधेशों का सरल व रोचक भाषा में बहुरंगी चित्रों सहित प्रेरक चरित्र प्रस्तुत करता है। इस अंक की परिकल्पना व लेखन कार्यकारी संपादक श्री गोपाल माहेश्वरी ने किया है।

सरस्वती शिशु मंदिर में स्वर्ण जयंती समारोह

राज्यपाल पटेल हुए शामिल, राष्ट्रनिर्माण में विद्याभारती के योगदान की सराहना की

मंडला में सरस्वती शिशु मंदिर के स्वर्ण जयंती समारोह में मध्यप्रदेश के राज्यपाल श्री मंगू भाई पटेल शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने राष्ट्र निर्माण में विद्याभारती के योगदान की सराहना की। साथ ही उन्होंने सिकल सेल उन्मूलन में विद्यालय की मदद मांगी। कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री श्री फग्गन सिंह कुलस्ते, कैबिनेट मंत्री श्री संपतिया उईके, विद्याभारती के क्षेत्र सह संगठन मंत्री श्री आनंद पारधी सहित विद्यालय परिवार के सदस्य उपस्थित रहे।

दो दिवसीय विभागीय कला संगम

जीवन को जीवंत बनाती है कला : रंजीता

मुंगेर। राज्यस्तरीय फुटबॉल कोच एवं गया पुलिस विभाग में कार्यरत रंजीता सिंह ने कहा कि बच्चों में अनेक प्रकार की प्रतिभाएं छिपी रहती हैं। कला संगम जैसे मंच के माध्यम से इन बाल कलाकारों को अपनी प्रतिभा निखारने का मौका मिलता है। पुरानीगंज स्थित वरिष्ठ माध्यमिक सरस्वती विद्या मंदिर में आयोजित दो दिवसीय विभागीय कला संगम में रंजीता सिंह ने बताया कि किस प्रकार एकाग्र मन से अपनी अन्तर्निहित प्रतिभा को रंगों की सहायता से कागज पर उकेरा जा सकता है। विभाग प्रचारक देवेंद्र कुमार ने कहा कि संगीत एक विद्या या कला ही नहीं बल्कि जीवन की लय है।

विद्यालय प्रबंधकारिणी समिति के अध्यक्ष अमरनाथ केशरी ने कहा कि संगीत से मानव का संपूर्ण विकास होता है। यह मानव की सभी इंद्रियों को सजग करता है। संगीत मन और आत्मा को अनुशासन में लाकर सम्यक विकास करने की क्षमता रखता है। मंच संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन कार्यक्रम प्रमुख काशीनाथ मिश्र ने किया। कला संगम में मेहंदी, रंगोली, अल्पना, मूर्तिकला एवं रंगमंचीय विधाओं पर आधारित प्रतियोगिताएं रखी गईं। इसमें मुंगेर विभाग के 21 सरस्वती शिशु विद्या मंदिरों के लगभग 150 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इस अवसर पर सामाजिक कार्यकर्ता राकेश कुमार, जिला निरीक्षक सतीश कुमार सिंह आदि उपस्थित रहे।

शिशु नगरी बाल मेले का आयोजन

परतापुर, राजस्थान। विद्या भारती संस्थान बांसवाड़ा की ओर से शिशु नगरी बाल मेला विद्या निकेतन माध्यमिक विद्यालय परतापुर में आयोजित किया गया। इस अवसर पर विद्या भारती राजस्थान के क्षेत्रीय संगठन मंत्री शिवप्रसाद जी, सह क्षेत्रीय संगठन मंत्री गोविंद जी, प्रांत सचिव किशन गोपाल जी, सह प्रांत सचिव मानेंग जी पटेल, प्रांत उपाध्यक्ष प्रभुलाल जी कटारा अतिरिक्त ब्लॉक शिक्षा अधिकारी गढ़ी शंकरलाल जी प्रजापत, अतिरिक्त ब्लॉक शिक्षा अधिकारी अरथूना सुरेश जी पाटीदार आदि उपस्थित रहे।

विमर्श निर्माण कार्यशाला

हैदराबाद | विद्या भारती दक्षिण मध्य क्षेत्र के तत्वावधान में "विमर्श निर्माण कार्यशाला" श्री शारदा धाम, बंदलागुड़ा जागीर, हैदराबाद में दो दिनों तक आयोजित की गई।

विद्या भारती दक्षिण मध्यक्षेत्र के कार्यक्रम सचिव मान्यश्री लिंगम सुधाकर रेड्डी ने कार्यक्रम का मार्गदर्शन किया। कार्यक्रम में विद्या भारती दक्षिण मध्य क्षेत्र के अध्यक्ष मान्यश्री डॉ. चमरथी उमामहेश्वर राव और विद्या भारती दक्षिण मध्य क्षेत्र के सचिव मान्यश्री अयाचितुला लक्ष्मण राव भी शामिल हुए। इस कार्यक्रम के अंतर्गत वरिष्ठ पत्रकार, राजनीतिक एवं ऐतिहासिक विश्लेषक श्री राका सुधाकर राव ने पहले दिन दो किश्तों में विशेष भाषण दिया। श्री राका सुधाकर ने उदाहरणों और ऐतिहासिक घटनाओं का उल्लेख करते हुए एक विस्तृत भाषण दिया। कार्यशाला में तेलंगाना और आंध्र प्रदेश दोनों राज्यों से चुने गए श्री सरस्वती शिशु मंदिर के प्रधानाचार्यों, शिक्षण कर्मचारियों, प्रचार विभाग और सोशल मीडिया विभाग के अधिकारियों ने भाग लिया।

संकल्प दृष्टि-2024

भोपाल। विद्या भारती के अखिल भारतीय महामंत्री श्री अवनीश भटनागर ने कहा कि शिक्षा के माध्यम से समाज परिवर्तन एवं वैचारिक क्रांति लाना हमारा उद्देश्य है। इसी को ध्यान में रखते हुए 1952 में उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में पहले सरस्वती शिशु मंदिर की स्थापना की गई थी।

आवासीय विद्यालय शारदा विहार भोपाल में दो दिवसीय संकल्प दृष्टि-2024 प्रांतीय समिति समागम में श्री अवनीश ने कहा कि हम सभी विद्यालयों का संचालन करने वाले कार्यकर्ता हैं। पद हमारे कार्य का आधार नहीं है। हम अपने कार्य को समर्पण के साथ करते हैं और इसी कारण कार्य को सुगमता और सरलता से सफलता की ओर ले जाते हैं। हमारे कार्य का वैचारिक अधिष्ठान अलग है। समाज में अभी अलग प्रकार का विचार है,लेकिन हमें अपने मूल विचार को ध्यान में रखते हुए समाज का परिवर्तन करना। विद्या भारती के अखिल भारतीय सह संगठन मंत्री श्री यतीन्द्र शर्मा ने मध्यक्षेत्र की विकास यात्रा पर प्रकाश डाला।

शिक्षा के माध्यम से वैचारिक क्रांति लाना विद्या भारती का उद्देश्य: अवनीश भटनागर

इस अवसर पर विद्या भारती मध्य क्षेत्र के अध्यक्ष सुरेश गुप्ता, श्री श्रीराम अरावकार, श्री मोहनलाल गुप्ता अध्यक्ष सरस्वती विद्या प्रतिष्ठान, श्री निखिलेश महेश्वरी विद्या भारती मध्यभारत प्रांत के संगठन मंत्री आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम में मध्य भारत प्रांत की 180 समितियों से 1500 से अधिक कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

संस्कार केंद्र की डाक्यूमेंट्री का लोकार्पण

पंजाब। विद्या भारती की प्रांतीय इकाई सर्वहितकारी शिक्षा समिति द्वारा पंजाब में 238 संस्कार केंद्र चलाए जा रहे हैं। इन संस्कार केंद्रों पर आधारित 19 मिनट की 'डाक्यूमेंट्री' फिल्म निर्माता द्वीप राज कोछड़ ने बनाई है। वह विद्या भारती के पूर्व छात्र भी हैं। इस डाक्यूमेंट्री का लोकार्पण भारत सरकार के वाणिज्य और उद्योग राज्य मंत्री सोम प्रकाश ने विद्या धाम में किया। मंत्री सोम प्रकाश ने कहा कि विद्या भारती देश में शिक्षा का उजाला फैलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

विद्या भारती देश में फैला रहा है शिक्षा का उजाला

संस्कार केंद्रों में ऐसे बच्चों को जो शिक्षा से दूर हैं शिक्षा के साथ देशभक्ति के संस्कार दिए जा रहे हैं। कार्यक्रम का आयोजन सर्वहितकारी समिति के संपर्क विभाग ने किया। संपर्क विभाग प्रमुख सुखदेव वशिष्ठ ने बताया कि संस्कार केंद्रों में सायं दो घंटे आर्थिक दृष्टि से दुर्बल बच्चों को पढ़ाया जाता है। संस्कार केंद्रों के शिक्षक सेवाभाव से सारे कार्य करते हैं।

पांच सौ छात्रों ने बनाई श्रीराम नाम की मानव श्रृंखला

अलीगढ़। श्रीरामलला की प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में सरस्वती विद्या मंदिर सी.सै.स्कूल, केशव नगर, खैर रोड, अलीगढ़ में 500 छात्रों ने सुदर्शन चक्र के बीच श्रीराम नाम की मानव श्रृंखला बनाई। छात्राओं की चार टोलियों ने रंगोली प्रतियोगिता में श्रीराम की प्रतिमा एवं श्रीराम मंदिर को दर्शाया। श्रीराम से सम्बन्धित चित्रों की पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता भी आयोजित की गई, जिसमें 100 से अधिक छात्र/छात्राओं ने भाग लिया।

माननीय दत्तात्रेय जी ने विद्या भारती पूर्वोत्तर संवाद का किया विमोचन

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह माननीय दत्तात्रेय जी ने विद्या भारती पूर्वोत्तर संवाद के वार्षिकांक 2023 का विमोचन असम प्रकाशन भारती, गुवाहाटी में किया। इस अवसर पर विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र के संगठन मंत्री डॉ पवन तिवारी, क्षेत्रीय मंत्री डॉ जगदीन्द्र रायचौधुरी, विद्या भारती उत्तर असम प्रांत के संगठन मंत्री श्री नीरव घेलाणी, शिशु शिक्षा समिति असम के महामंत्री श्री कुलेंद्र कुमार भगवती उपस्थित रहे। क्षेत्र प्रचार प्रमुख श्री विकाश शर्मा ने पूर्वोत्तर संवाद के बारे में जानकारी प्रदान की।

पढ़ने के लिए लिंक पर क्लिक करें : https://vbsamwad.co.in/purvottar-samwad-2023-annual-issue/

विद्यालय प्रबंध समितियों का प्रबोधन वर्ग

बसोली। भारतीय शिक्षा समिति जम्मू-कश्मीर एवं लद्दाख के अंतर्गत संकुल बसोली में विद्यालय प्रबंधन समितियों का प्रबोधन वर्ग आयोजित किया गया। इस अवसर पर श्री बालकृष्ण, सह संगठन मंत्री उत्तर क्षेत्र विद्या भारती एवं श्री हरि भूषण, महामंत्री भारतीय शिक्षा समिति जम्मू-कश्मीर सभी विद्यालयों की प्रबंधन समितियों के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 एवं शिशु शिक्षा की भारतीय संकल्पना

राष्ट्रीय शिक्षा नीति में शामिल हैं राष्ट्रीय मूल्य और परंपराएं- इंदुमती काटदरे

भोपाल । पुनरुत्थान विद्यापीठ की कुलपति इंदुमती काटदरे ने कहा कि NEP 2020 में हमारे राष्ट्रीय मूल्य, परंपराएं और चिंतन शामिल हैं। अभी राष्ट्रीय शिक्षा नीति की प्रारंभिक अवस्था है और आने वाले वर्षों में इस नीति के व्यापक क्रियान्वयन से अच्छे और प्रभावी परिणाम आएंगे। विद्या भारती राष्ट्रीय शिक्षा नीति के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान रहा है।सरस्वती विद्या प्रतिष्ठान हर्षवर्धन नगर भोपाल में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 एवं शिशु शिक्षा की भारतीय संकल्पना पर 17 जनवरी को आयोजित व्याख्यान में इंदुमती काटदरे ने कहा कि शिक्षा का संबंध जीवन विकास से है। गर्भाधान से ही शिक्षा प्रारंभ हो जाती है और जीवन के विकास का बीजारोपण हो जाता है। 5 वर्ष तक की अवस्था में शिशु संस्कारों का संगोपन ठीक प्रकार से होना चाहिए। बालक की प्रथम गुरु माता होती है और शिशु के विकास की शुरुआत घर से होती है। विद्या भारती की शिशु वटिका भारतीय दर्शन एवं मनोविज्ञान पर आधारित है।

इसका सूत्र "लालयेत् पञ्च वर्षाणि ताडयेत् दशवर्षाणि। प्राप्ते सम्प्राप्ते षोडशे वर्षे पुत्रं मित्र समाचरेत।" अर्थात् 5 वर्ष की आयु तक बच्चों का लालन-पालन उसकी इच्छा का सम्मान करते हुए भयमुक्त वातावरण में प्रेरणादाई शिक्षा के माध्यम से करना चाहिए। घर और विद्यालय में इस उम्र का शिशु व्यवहार और मनोभावों से सीखता है। बच्चों में सीखने की स्वाभाविक इच्छा उनके अंतःकरण में होती है और वह अनुकरण से सीखते हैं। शिक्षकों का हृदय मातृ हृदय होना चाहिए।

10 वर्षाणि ताड़येत अर्थात् शिशु अवस्था के अगले 10 वर्षों में नियम, संयम, आज्ञा पालन, इंद्रिय संयम, मन की शिक्षा और अनुशासन का पालन आवश्यक है। विद्या भारती के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री रविंद्र कान्हेरे, श्री बनवारी लाल सक्सेना, श्री श्रीराम जी आरावकर अखिल भारतीय सह संगठन मंत्री विद्या भारती, शशिकांत फड़के ग्रामीण शिक्षा राष्ट्रीय सहसंयोजक, श्री भालचंद रावले क्षेत्रीय संगठन मंत्री, श्री निखिलेश महेश्वरी प्रांत संगठन मंत्री, श्री शिरोमणि दुबे प्रांत सचिव, प्रोफेसर नीलाभ तिवारी सचिव मध्य भारत प्रांत आदि उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय अध्यापक परिषद (TTTI) शामला हिल्स भोपाल में अध्ययन अध्यापन भ्रमण हेतु आए 6 देशो के 30 प्रतिनिधियो का शारदा विहार का भ्रमण किया गया जिनको सभी प्रकल्पों की विस्तृत जानकारी एवं भ्रमण कराया गया।

प्रधानाचार्य एवं छात्रावास अधीक्षकों की बैठक

बिहार | क्षेत्रीय आवासीय विद्यालय प्रधानाचार्य एवं छात्रावास अधीक्षकों की तीन दिवसीय बैठक (9-11 जनवरी 2024) पूज्य तपस्वी जगजीवन जी महाराज सरस्वती विद्या मंदिर राजगीर के उद्घाटन सत्र में अखिल भारतीय मंत्री डॉ कृष्ण वीर सिंह शाक्य, क्षेत्रीय संगठन मंत्री श्री ख्यालीराम, स्थानीय विद्यालय के सचिव राणा पुरषोत्तम जी के अलावे लोक शिक्षा समिति के सचिव श्री मुकेश नंदन, भारतीय शिक्षा समिति के सचिव श्री प्रदीप कुशवाहा तथा विद्या विकास समिति झारखंड के सचिव श्री अजय कुमार तिवारी के अलावा सह सचिव रामलाल तथा पूर्णकालिक एवं प्रवासी कार्यकर्ताओं के साथ साथ क्षेत्र में चलने वाले सभी आवासीय विद्यालय के प्रधानाचार्य, छात्रावास अधीक्षक एवं छात्रावास देखने वाले समिति के पदाधिकारी मुख्य रूप से उपस्थित हैं।

राज्य योग वर्ग, 5-6 जनवरी 2024, व्यासा विद्या पीठम,पालक्काड (केरल)
प्रदेश अध्यक्ष श्री गोपालनकुट्टी मास्टर व श्री स्थानुमूर्ति ने भाग लिया।

'राष्ट्रीय युवा दिवस' के रूप में मनाई गई 'स्वामी विवेकानन्द जयन्ती'

दूरस्थ व सीमावर्ती क्षेत्रों में शिक्षा के लिए मील का पत्थर हैं एकल विद्यालय

आर्यन बेल्ट, कारगिल। जम्मू कश्मीर के दूरस्थ व सीमावर्ती क्षेत्रों की शिक्षा के लिए मील का पत्थर बने हैं एकल विद्यालय। देशभर में विद्या भारती का कार्य शिक्षण संस्थानों के रूप में विभिन्न प्रकार से है। औपचारिक शिक्षा के लिए विद्यालय, अनौपचारिक शिक्षा के रूप में सेवा बस्ती में संस्कार केंद्र तथा दूरस्थ, सीमावर्ती, तटीय व संवेदनशील क्षेत्रों में एकल विद्यालय के रूप में शिक्षा केंद्रों का संचालन विद्या भारती के मार्गदर्शन में होता है।

कार्य की संभाल की दृष्टि से विद्या भारती के वरिष्ठ अधिकारी जाते रहते हैं। श्री हेमचन्द्र, क्षेत्रीय संगठन मंत्री, उत्तर क्षेत्र व अखिल भारतीय मंत्री (वर्तमान में पूर्वी उत्तर प्रदेश संगठन मंत्री) विद्या भारती का प्रतिवर्ष (२००७-२०१९) एक बार वहाँ जाना होता रहा है। सन २०११-१२ में लद्दाख प्रवास के दौरान एक बैठक में श्री हेमचन्द्र जी का रहना हुआ जिसमें एकल विद्यालयों का संचालन करने वाले आचार्य, दीदी व कार्यकर्त्ता सहभागी हुए। उस बैठक में एकल विद्यालयों की स्थिति को लेकर चर्चा हुई। एकल विद्यालयों की गत वर्ष व वर्तमान की स्थिति, संचालन में आने वाले कठिनाइयाँ व उनका समाधान इस पर विचार विमर्श हुआ।

बैठक के अंत में श्री हेमचन्द्र जी ने सबके सामने प्रश्न रखा कि इन एकल विद्यालयों की क्या उपलब्धि है। बैठक में कुछ समय तक सन्नाटा रहा। जब कोई उत्तर नहीं आया तो श्री हेमचन्द्र जी ने कहा कि जब एकल विद्यालयों की कोई उपलब्धि नहीं है तो इन्हें क्यों चलाना। देशभर से परिश्रम पूर्वक समाज संपर्क कर राशि एकत्र करके एकल विद्यालयों के संचालन के किए यहाँ भेजी जाती है। समाज के बंधु-भगिनी राशि का सहयोग करते हैं वे यह भी अपेक्षा करते है कि इस राशि का ठीक उपयोग हो।

थोड़े समय बाद एक दीदी खड़ी हुई और कहती है कि मैं बताती हूँ एकल विद्यालयों की क्या उपलब्धि है। उस दीदी ने कहा कि हम आपके सामने बैठे हैं तो एकल विद्यालय के कारण बैठे हैं।

मैं जहाँ एकल विद्यालय चलाती हूँ मेरा वह गाँव बटालिक सेक्टर में एक दम पाकिस्तान के रेंज में है। वहां हर दिन फायरिंग होती रहती है। उसके कारण से कभी हमारे पशु मरते हैं तो कभी व्यक्ति भी मरते हैं या घायल हो जाते हैं। एकल विद्यालय चलाने से पहले मेरे ही नहीं मेरे जैसे सभी युवाओं के मन में विचार आते थे कि हमारा भी कोई जीवन है। क्यों न हम इस गाँव को छोड़कर जम्मू अथवा चंडीगढ़ जैसे नगरों में चले जाएं। हम वहाँ मेहनत-मजदूरी कर जीवन यापन लेंगे। वहाँ हम और हमारे बच्चे सुरक्षित तो रहेंगे व हमारे बच्चे पढ़ भी लेंगे। लेकिन एकल विद्यालय प्रारम्भ होने पर आप लोगों की बातें सुनने के बाद नियमित रूप से हमारे प्रशिक्षण में देशभक्ति गीत, महापुरुषों की कहानियां सुनने व एकल विद्यालय में बच्चों को सुनाने के बाद अब हमारे पूरे गाँव में ऐसा वातावरण है कि हम मर जाएंगे मिट जायेंगे लेकिन हम अपने गाँव को छोड़कर नहीं जायेंगे। हम गाँव छोड़ देंगे तो हमारे गाँव में पाकिस्तानी आकर बैठ जायेंगे और हमारा भारत देश छोटा हो जायेगा। हमारे क्षेत्र के बालकों को शिक्षा व संस्कार मिल रहे हैं तो एकल विद्यालय के कारण है। 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस व 26 जनवरी गणतंत्र दिवस पर हमारे गाँव में तिरंगा फहराया जाता है तो एकल विद्यालय के कार्यक्रम के कारण होता है। यहां 'भारत माता की जय' बोली जाती है तो एकल विद्यालय के कारण बोली जाती है। ऐसा देशभक्ति का वातावरण एकल विद्यालयों के कारण ही हुआ है। अब यदि आपको लगता है कि एकल विद्यालयों से कोई परिवर्तन नहीं हुआ है तो यहाँ के एकल विद्यालयों को बंद कर सकते हैं। बैठक का पूरा वातावरण भावुक व देशभक्ति पूर्ण हो गया और मन ही मन सभी ने इस देशभक्ति पूर्ण व ईश्वरीय कार्य को और अधिक दृढ़ता से करने का संकल्प लिया।

वास्तव में एकल विद्यालय दूरस्थ व सीमावर्ती क्षेत्रों की शिक्षा के लिए मील का पत्थर बन रहे हैं।

पूर्व छात्र सम्मेलन, जयपुर

जयपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के राजस्थान क्षेत्र के क्षेत्र प्रचारक निम्बाराम जी ने कहा कि देश में आधुनिकता-प्रगतिशीलता के नाम पर 'अरबन नक्सलियों' के रूप में एक लिबरल फौज खड़ी हो गई है जो यदा-कदा भारत को नीचा दिखाने का काम करती है। ये लोग सोचते हैं कि भारत का अपना तो कुछ था ही नहीं। अंग्रेज आ गए जो भारत का कायाकल्प करके चले गए। ऐसी सोच रखने वालों को एक बार भारत का इतिहास अवश्य पढ़ना चाहिए।

बिड़ला ऑडिटोरियम में आयोजित आदर्श विद्या मंदिर के पूर्व छात्रों के सम्मेलन को संबोधित करते हुए क्षेत्र प्रचारक निम्बाराम जी ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति में अपेक्षा है कि प्राथमिक शिक्षा मातृभाषा में होनी चाहिए। आदर्श विद्या मंदिर के पूर्व छात्रों का उदाहरण देते हुए कहा कि आज मंच पर जितने पूर्व छात्र विराजमान हैं वे सभी हिन्दी माध्यम से पढ़कर गए हैं और देश में शीर्ष स्थानों पर बैठकर नेतृत्व प्रदान कर रहे हैं। क्षेत्र प्रचारक जी ने नालंदा विश्वविद्यालय का उल्लेख करते हुए कहा कि यहां सिर्फ किताबें ही नहीं पढ़ाई जाती थीं बल्कि सभी तरह का ज्ञान दिया जाता था। आज हमारे यहां जिसे कौशल विकास कहा जा रहा हैं, वो भी यहां सिखाया जाता था। शस्त्र विज्ञान की भी शिक्षा दी जाती थी। वैसा भारत फिर बनना चाहिए। केवल एक स्कूल या समिति से ये संभव नहीं हो सकता है, इसके लिए संपूर्ण समाज को भागीदार बनना होगा। वर्तमान चुनौतियों का मुकाबला सफलतापूर्वक कर सकें, इस प्रकार के छात्रों का निर्माण विद्या भारती व आदर्श विद्या मंदिर करता है। इसका मतलब है देशकाल परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए 'युगानुकुल शिक्षा' दी जाए। इस पर विद्या भारती ने शुरू से ही जोर दिया है।

विशिष्ट अतिथि पर्यावरण संरक्षण गतिविधि के अखिल भारतीय संयोजक गोपाल आर्य जी ने कहा कि क्या एक

पूर्व छात्र के मन में ये विचार नहीं आते कि जहां मैंने शिक्षा ली, जहां मेरे अंदर संस्कारों का बीजारोपण हुआ उसके लिए मेरा भी कुछ कर्तव्य होना चाहिए। कैम्ब्रिज और आईआईटी संस्थान की एलुमनी कहते हैं कि मैं अपने संस्थान के लिए योगदान देता हूं। हमें भी अपनी क्षमतानुसार सहयोग करना चाहिए। उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति का उद्देश्य भावी पीढ़ी को गुलामी की मानसिकता से बाहर निकालना है। राष्ट्र के प्रति गर्व हो, यह भाव नई पीढ़ी में जगाना आवश्यक है।

स्वागत समिति के अध्यक्ष डॉ. एम.एल. स्वर्णकार, भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी मनोज जोशी, डॉ. देवेंद्र भसीन ने भी विचार रखे। प्रबन्ध समिति के संजीव भार्गव ने कार्यक्रम की प्रस्तावना प्रस्तुत की।

सीमा सुरक्षा बल,मालदा उत्तर बंग, D.I.G. को राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के लिए आमंत्रण पत्र मा. काशिपति

कच्छ दरियाई सीमा नारायण सरोवर में मा. काशिपति द्वारा मुलाकात भारत की पश्चिमी सीमा पर बीएसएफ कैंप कोटेश्वर में अभिनंदन यात्रा एवं अक्षत वितरण

'महाराज पृथु छात्रावास' भवन का उद्घाटन

गुवाहाटी | केंद्रीय मंत्री श्री सर्बानंद सोनोवाल ने विद्या भारती बहुउद्देशीय शैक्षिक परियोजना में नवनिर्मित 'महाराज पृथु छात्रावास' भवन का उद्घाटन किया। केंद्रीय मंत्री ने अपने भाषण में युवा पीढ़ी में देशभक्ति की भावना जगाने के लिए विद्या भारती के कार्यों की सराहना की। उन्होंने यह भी कहा कि छात्रों को अपने काम से विश्व विजय करने के लिए स्वयं को सशक्त बनाना होगा। इसके लिए हमें शिक्षा व्यवस्था में आमूल-चूल परिवर्तन करना होगा। मंत्री ने कहा कि आत्मनिर्भर बनने के लिए हमें अपनी क्षमता, कौशल और शिक्षा का दायरा बढ़ाने की जरूरत है। उन्होंने इस कार्य में लंबे समय से संलग्न रहने के लिए विद्या भारती की सराहना की। अंत में, प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के प्रस्ताव पर संयुक्त राष्ट्र द्वारा स्वीकृत अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को आज दुनिया भर में सराहना की जा रही है। हमारे पास दुनिया को देने के लिए बहुत कुछ है। हमें बस अपना स्वाभिमान जगाने की आवश्यकता है। इसके लिए भारत केंद्रित और स्वाभिमानयुक्त शिक्षा की आवश्यकता है।

समारोह में विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान के संगठन मंत्री के.एन.रघुनंदन, विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र के सचिव डॉ. जगदींद्र रॉय चौधरी, विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र के संगठन मंत्री डॉ. पवन तिवारी, विद्या भारती उत्तर असम प्रांत के संगठन मंत्री नीरव घेलानी और शिशु शिक्षा समिति, असम के साधारण सम्पादक कुलेंद्र कुमार भागवती समेत अन्य कई पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

'हिन्दवी स्वराज के 350 वर्ष' पूर्ण होने के उपलक्ष्य में विद्या भारती पूर्व छात्र परिषद द्वारा आयोजन

छत्रपति शिवाजी महाराज द्वारा हिन्दवी स्वराज्य के 350 वें स्थापना वर्ष के उपलक्ष्य में विद्याभारती पूर्व छात्र परिषद द्वारा प्रांत के 1500 स्थानों पर छत्रपति शिवाजी महाराज व्याख्यान माला का आयोजन किया गया। प्रांत में सभी 1500 स्थान पर पूर्व छात्र वक्ताओं के रूप में नवयुवकों के बीच जाकर छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन के प्रेरक प्रसंग, सामाजिक समरसता, उनकी न्याय प्रियता, पर्यावरण से प्रेम और उनके राज्य व्यवस्था के बारे में जानकारी प्रदान की।

प्रधानाचार्य दक्षता वर्ग, राजस्थान क्षेत्र

कोटा। स्वामी विवेकानंद उच्च माध्यमिक विद्यालय महावीरनगर तृतीय कोटा में विद्या भारती राजस्थान क्षेत्र ने सात दिवसीय विशेष प्रधानाचार्य दक्षता शिविर का आयोजन किया। मुख्य वक्ता श्री दिलीप बेतकेकर, पूर्व उपाध्यक्ष विद्या भारती ने कहा कि उपनिषदों में दी गई पंचकोशीय विकास की अवधारणा ही समग्र व्यक्तित्व विकास है। पर्सनालिटी शब्द का अर्थ बताते हुए कहा कि यह परसोना शब्द से बना है। इसका अर्थ मुखौटा होता है। अतः व्यक्तित्व विकास की पश्चिमी अवधारणा बाहरी प्रदर्शन है जबकि मनुष्य के अंतर निहित क्षमता एवं सद्गुणों का विकास ही भारतीय अवधारणा है।

भारत एक सनातन संस्कृति वाला देशः डॉ. संतोष आनंद

डॉ संतोष आनंद अखिल भारतीय सह मंत्री, विद्या भारती ने कहा कि भारत एक सनातन संस्कृति वाला देश है। भारतीय समाज का विकास वैज्ञानिक एवं तार्किक ज्ञान के आधार पर हुआ है। भारतीय समाज ज्ञान केंद्रित रहा है। युगानुकूल समाज रचना में शिक्षकों की भूमिका हमेशा महत्त्वपूर्ण रही है क्योंकि उन्होंने आक्रांताओं के भीषण अत्याचारों के बावजूद भी संस्कृति को नष्ट नहीं होने दिया और अपनी ज्ञान परंपरा बचाये रखी है। भारतीय समाज ने हमेशा संस्कृति और समृद्धि को बराबर स्थान दिया है। विद्या भारती राष्ट्र को समर्थ बनाने के लिए भारतीय वैचारिक अधिष्ठान को लेकर राष्ट्र के पुनर्निर्माण के लिए कार्य कर रही है। हमारा विश्वास है कि ज्ञान के आधार पर ही भारत पुनः विश्वगुरु बन सकेगा।

समाज का दीप स्तंभ बने विद्यालयः शिवप्रसाद जी

विद्या भारती राजस्थान क्षेत्र के संगठन मंत्री श्री शिव प्रसाद ने कहा कि विद्यालय मात्र शिक्षा का केंद्र नहीं, अपितु सामाजिक परिवर्तन का केंद्र भी बने। प्रधानाचार्यो को विभिन्न कार्यक्रमो के माध्यम से छात्रों, अभिभावकों एवं नागरिकों में सामाजिक चेतना जाग्रत करनी चाहिए। चेतना का स्तर भी व्यक्तित्व का मापदंड होता है।

विद्या भारती राजस्थान क्षेत्र के सह संगठन मंत्री श्री गोविंद कुमार ने कहा कि तकनीकी साधन शिक्षक का स्थान नहीं ले सकते, क्योंकि तकनीक बालकों का मन एवं हदय को पढकर बदल नहीं सकती। शिक्षक को छात्र के मन को समझकर शिक्षण करना चाहिए। श्री महेंद्र कुमार दवे ने कहा कि अयोग्य को योग्य बनाना ही शिक्षक का कार्य है। यह तभी संभव है जब शिक्षक शिक्षा के प्रति समर्पित हो।

भारतीय ज्ञान परंपरा को आगे बढ़ाएं- रवि कुमार

विद्या भारती जोधपुर प्रांत के संगठन मंत्री श्री रवि कुमार ने कहा कि भारतीय ज्ञान का स्रोत भारत का समृद्ध साहित्य, वेद, पुराण, उपनिषद् जैसे ग्रंथ रहे हैं। अंग्रेजो ने भारतीय साहित्य के बारे में भ्रम पैदा करते हुए मिथक बनाने का प्रयत्न किया, जिसके फलस्वरूप आज भी अपने समृद्ध ज्ञान एवं साहित्य को इतिहास एवं प्रमाणित संदर्भ पुस्तकों के रूप में स्वीकार नहीं किया जा रहा है। विद्या भारती भारतीय ज्ञान परंपरा को शिक्षा व्यवस्था के माध्यम से आगे बढ़ाने के लिए प्रयत्नशील है।

वर्ग प्रबंध प्रमुख व प्रधानाचार्य डॉ. महेश शर्मा ने बताया कि शिविर में विद्या भारती राजस्थान क्षेत्र के चयनित 48 प्रधानाचार्यों ने भाग लिया। इस अवसर पर विद्या भारती राजस्थान क्षेत्र के प्रचार प्रमुख नवीन कुमार झा, वर्ग पालक प्रमिला शर्मा जी, विद्या भारती राजस्थान क्षेत्र के अध्यक्ष श्री भरतराम आदि उपस्थित रहे।

केरल योग वर्ग

दो दिवसीय कक्षा में 11 जिलों से 70 लोगों ने भाग लिया। राज्य योग नेता श्री सीपी मुरलीधरन, श्री स्थाणुमूर्ति व श्री एन सी राजगोपाल का मार्ग दर्शन मिला।

केरल में शिशुवाटिका भवन का शिलान्यास

श्री शंकर विद्यानिकेतन, कोट्टायि, पालकाट, केरल मे नई शिशुवाटिका भवन का शिलान्यास विश्व संस्कृत प्रतिष्ठान के प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व विद्याभारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान के अध्यक्ष डॉ पी के माधवन द्वारा प्रस्तुत किया गया।

पूर्व छात्र एम. जयरामन माननीय राज्यपाल द्वारा सम्मानित

एसकेएनएस पीएमसी (SKNS PMC) विवेकानन्द विद्यालय, पेरम्बूर के पूर्व छात्र एम. जयरामन को संस्कृत से तमिल में ग्रंथों का अनुवाद करके तमिल साहित्य में योगदान के लिए भारतीय भाषा दिवस 11 दिसंबर 2023 को राजभवन, चेन्नई में तमिलनाडु के माननीय राज्यपाल आर एन रवि द्वारा सम्मानित किया गया।

विद्या भारती के गौरव

असम के लोक सेवा आयोग 2023 के परीक्षा परिणाम में चयनित पूर्व छात्र

विद्याभारती सरस्वती शिशु मंदिर छपारा की पूर्व छात्रा आयुषी पांचपांडे को एस डी ओ (SDO) पद पर नियुक्त

हिमाचल शिक्षा समिति द्वारा संचालित सरस्वती विद्या मन्दिर आनी के पूर्व छात्र मानव ठाकुर ने हिमाचल प्रदेश राज्य सहकारी बैंक द्वारा सहायक प्रबंधक पद के लिए अयोजित परीक्षा में में प्रथम स्थान प्राप्त किया है।

विद्या भारती : उपलब्धियाँ

विद्या मंदिर बरनाला की नेटबाल टीम ने प्राप्त किये सिल्वर मेडल

सर्वहितकारी सीनियर सेकेंडरी विद्या मंदिर बरनाला की नेटबाल टीम (अंडर-17 लड़के) ने स्कूल गेम्स फेडरेशन आफ इंडिया (एसजीएफआई) में प्राप्त किये सिल्वर मेडल।

SGFI से कुरास स्वर्ण पदक विजेता स्वरूप सिंह का सम्मान समारोह

सम्मानित उपस्थिति उपखंड अधिकारी श्री सूरज भान, उपाधिक्षक पुलिस श्री सुखराम बिश्नोई वृताधिकारी श्री जयकिशन सोनी जिला संघचालक श्री रिखबदास बोथरा, अध्यक्ष श्री पारसमल सेठिया, जिला सचिव बलदेव व्यास उपस्थित रहे।

विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान

प्रज्ञा सदन
जी.एल.टी. सरस्वती बाल मंदिर परिसर, नेहरू नगर,
महात्मा गांधी मार्ग, नई दिल्ली - 110065

@VidyaBharatiIN

www.vidyabharti.net www.vidyabharatisamvad.com
Email : vbabss@yahoo.com | vbsamvad@gmail.com
Contact Us : 91 - 11 -29840013, 29840126, 20886126

सेवा में ,